International Journal of Trend in Scientific Research and Development (IJTSRD)
Advancements in Multidisciplinary Research and Analysis – December 2023
Available Online: www.ijtsrd.com e-ISSN: 2456 – 6470

कंप्यूटर पर हिंदी का प्रयोग : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

डॉ. राजपाल, सहायक प्राध्यापक,

हिंदी विभाग, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हिसार(हरियाणा)

ABSTRACT

कम्प्यूटर और इण्टरनेट ने पिछले वर्षों में विश्व में सूचना क्रांति ला दी है। आज कोई भी भाषा कम्प्यूटर (तथा कम्प्यूटर सदृश अन्य उपकरणों) से दूर रहकर लोगों से जुड़ी नहीं रह सकती। कम्प्यूटर के विकास के आरम्भिक काल में अंग्रेजी को छोडकर विश्व की अन्य भाषाओं के कंप्यूटर पर प्रयोग की दिशा में बहुत कम ध्यान दिया गया जिसके कारण सामान्य लोगों में यह गलत धारणा फैल गयी कि कम्प्यूटर अंग्रेजी के सिवाय किसी दूसरी भाषा (लिपि) में काम ही नहीं कर सकता। किन्तु यूनिकोड (Unicode) के पदार्पण के बाद स्थिति बहुत तेजी से बदल गयी।

KEYWORDS: कम्प्यूटर, इण्टरनेट, भाषा, फॉन्ट.

परिचय -

कम्प्यूटर और इण्टरनेट ने पिछले वर्षों में विश्व में सूचना क्रांति ला दी है। आज कोई भी भाषा कम्प्यूटर (तथा कम्प्यूटर सदृश अन्य उपकरणों) से दूर रहकर लोगों से जुड़ी नहीं रह सकती। कम्प्यूटर के विकास के आरम्भिक काल में अंग्रेजी को छोडकर विश्व की अन्य भाषाओं के कंप्यूटर पर प्रयोग की दिशा में बहुत कम ध्यान दिया गया जिसके कारण सामान्य लोगों में यह गलत धारणा फैल गयी कि कम्प्यूटर अंग्रेजी के सिवाय किसी दूसरी भाषा (लिपि) में काम ही नहीं कर सकता। किन्तु यूनिकोड (Unicode) के पदार्पण के बाद स्थिति बहुत तेजी से बदल गयी।

इस समय हिन्दी में सजाल (websites), चिट्टे (Blogs), विपत्र (email), गपशप (chat), खोज (web-search), सरल मोबाइल सन्देश (SMS) तथा अन्य हिन्दी सामग्री उपलब्ध हैं। इस समय इण्टरनेट पर हिन्दी में संगणन के संसाधनों की भी भरमार है और नित नये भाषा-कम्प्यूटिंग के साफ्टवेयर आते जा रहे हैं।[1]

हिन्दी कम्प्यूटर का महत्त्व -

आज के युग में वे भाषाएँ ही बच पायेंगी जो कम्प्यूटर और इण्टरनेट से जुड़ी होंगी; जिनमें विविध क्षेत्रों का ज्ञान आनलाइन उपलब्ध होगा। इसके लिये तरह-तरह के साफ्टवेयर चाहिये जो लिखने, खोजने, सहेजने तथा इसका रूप बदलने आदि में सुविधा प्रदान करें। इसीलिये हिन्दी कम्प्यूटर के साफ्टवेयरों का बहुत ही महत्व है।

कम्प्यूटर पर हिन्दी का प्रयोग - वर्तमान में कम्प्यूटर पर हिन्दी का प्रयोग बहुतायत से प्रारम्भ हो गया हैं जिसको हम निम्नलिखित प्रकार से देख सकते हैं।

हिन्दी फॉन्ट का उपयोग -

हिन्दी फॉन्ट कम्प्यूटर आश्रित होते हैं। अर्थात जिस कम्प्यूटर पर हिन्दी फॉन्ट इन्स्टाल किया गया है उसमें ही हिन्दी टंकण का कार्य किया जा सकेगा। यदि उस फाइल को अटैच करके किसी दूसरे को ई-मेल द्वारा भेजा जाए तो दूसरे के कम्प्यूटर में वह तभी हिन्दी में दिखेगा जब उसके कम्प्यूटर में भी वह हिन्दी फॉन्ट इन्स्टाल किया गया हो।

हिन्दी फॉन्ट इन्स्टाल करने के बाद हम सिर्फ कुछ सॉफ्टवेयर में हिन्दी टंकण का काम कर पाते हैं, जैसे - Ms-Word, Ms-Excel, Ms-Powerpoint इत्यादि जबकि इसका उपयोग हम ई-मेल, फेसबुक, व्हाट्सएप, इन्स्टाग्राम, ट्वीटर एवं लिंकडीन आदि स्थानों पर नहीं कर पाते।

यूनिकोड का उपयोग -

यूनिकोड फॉण्ट कम्प्यूटर आश्रित नहीं होते हैं। इसका मतलब यह हुआ कि यदि यूनिकोड समर्थित कम्प्यूटर पर हिन्दी में

किए गए काम के फाइल को अटैच करके किसी दूसरे को ई-मेल द्वारा भेजा जाए तो दूसरे के कम्प्यूटर पर वह हिन्दी में ही दिखाई देगा बावजूद इसके कि उसके कम्प्यूटर पर यूनिकोड इन्स्टाल नहीं हो। यूनिकोड इन्स्टाल नहीं होने से दूसरा प्रयोगकर्ता उस फाइल के हिन्दी डाटा को परिवर्तित नहीं सकता किन्तु पढ़ सकता है।

यूनिकोड इन्स्टाल करने के बाद हम न सिर्फ सारे सॉफ्टवेयर में हिन्दी टंकण का काम कर पाते हैं, जैसे - Ms-Word, Ms-Excel, Ms-Powerpoint इत्यादि साथ ही साथ इसका सरलतापूर्वक उपयोग ईमेल, फेसबुक, व्हाट्सएप, इन्स्टाग्राम, ट्वीटर एवं लिंकडीन आदि स्थानों पर भी कर सकतें हैं।[2]

कम्प्यूटर पर देवनागरी लेखन में सरलता -

कम्प्यूटर पर हिन्दी में टाइप करना बहुत ही आसान है। इसके लिये हमें माइक्रोसॉफ्ट की वैबसाइट से इंडिक आईएमई डाउनलोड करना एक विकल्प है। ऐसा करने के बाद हम अपने कम्प्यूटर पर बिना कोई नया फॉन्ट इंस्टॉल किये हिन्दी में आसानी से टाइप करना शुरू कर सकते है।

ऑपरेटिंग सिस्टम के स्तर पर -Windows Professional में ऑपरेटिंग सिस्टम में ही बहुभाषी सपोर्ट अंतर्निमित है। Windows १० की सहायता से हम कई भाषाओं में डेटा देख सकते हैं, उसे प्रविष्ट और संपादित कर सकते हैं, लेकिन बहुभाषी उपयोगकर्ता इंटरफ़ेस पैक (MUI) और Windows Professional के अंग्रेज़ी संस्करण के ऐड-ऑन इन्स्टॉल करके हम केवल मीनू और संवाद बॉक्स में प्रयुक्त भाषा को ही बदल सकते हैं।

Windows १० की सहायता से हम कई भाषाओं में ई-मेल और वेबपेज भेजने के अलावा, दस्तावेज़ का प्रदर्शन, प्रविष्टि, संपादन और मुद्रण भी कर सकते हैं। हम Windows १० के अंतर्गत क्षेत्रीय विकल्पों में फ़ॉन्ट, कुंजीपटल लेआउट, सॉर्ट ऑर्डर, दिनांक फ़ॉर्मेट और प्रविष्टि के तरीकों को निर्दिष्ट कर सकते हैं। Windows १० लोक संस्करण नाम से प्रचलित अंग्रेज़ी सहित अलग-अलग २४ भाषाओं में उपलब्ध है।

Windows द्वारा बहुभाषी कंप्यूटिंग के लिए अपनाई गई प्रौद्योगिकी यूनिकोड है। यदि सपोर्ट की गई किसी भाषा में हमारा अनुप्रयोग यूनिकोड अनुप्रयोग है तो वह अंग्रेज़ी और Windows के लोक संस्करण - दोनों पर ही चलेगा उपयोगकर्ता इंटरफ़ेस की भाषाओं में परस्पर तभी स्विच कर सकता है, जब हमने बहुभाषी उपयोगकर्ता इंटरफ़ेस पैक (MUI) इन्स्टॉल कर लिया हो।[3]

इंटरनेट पर में हिंदी का प्रसार -

सूचना प्राद्यौगिकी के बदलते परिवेश में हिंदी भाषा ने अपना स्थान धीरे-धीरे प्राप्त कर लिया है। आधुनिकीकरण के दौर में भाषा भी अपना स्थान ग्रहण कर लेती है। हिंदी की उपादेयता पर कोई भी प्रश्न चिह्न लगा नहीं सकता। लेकिन संकुचित स्वार्थ के कारण हमारी राष्ट्रभाषा हिन्दी को नकारना हमारी मानसिक परतंत्रता का चिन्ह है।

आज भले ही चीन, जापान, रूस, जर्मनी, अरब आदि अंग्रेज़ीतर देशों ने अपनी भाषा में विकास किया हो, लेकिन भारत में अगर राजभाषा, संपर्क भाषा, लोकभाषा को हम विकसित नहीं कर पाए तो यह हमारी हार होगी। जिस देश के नवयुवकों ने कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर प्रणाली को विकसित किया है, उसी देश की जनता को विदेश की और मुँह ताकना पड़ता है। इस स्थिति में परिवर्तन आया है। भाषा का संबंध जिस तरह मन, बुद्धि से होता है, उसी तरह उसका संबंध हर व्यक्ति के रोजी रोटी तथा पारिवारिक विकास से भी जुड़ा होता है। इसलिए सूचना प्रौद्योगिकी के नए तंत्र को हमारे युवा वर्ग भली प्रकार से समझा है।

निम्नलिखित इंटरनेट साइट पर हिंदी सहित प्रमुख भारतीय भाषाओं के लिए उपयुक्त संपर्क सूत्र, ई-मेल एवं सॉफ्टवेयर आदि की जानकारी बहुतायत से उपलब्ध है।

(a) www.rajbhasha.nic.in

राजभाषा विभाग, गृहमंत्रालय, भारत सरकार की इस साइट पर राजभाषा हिंदी संबंधित नियम, अधिनियम, वार्षिक कार्यक्रम, तिमाही, अर्धवार्षिक, वार्षिक, विवरण हिंदी सीखने के लिए लिला-प्रबोध, प्रवीण, प्राज्ञ पॅकेज आदि महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध है। इस साइट पर उपलब्ध जानकारी सभी सरकारी कार्यालयों, उपक्रमों, उद्यमों के लिए उपयुक्त हैं।

(b) www.rajabhasha.com

इस साइट पर राजभाषा हिंदी संबंधित नियम, साहित्य, व्याकरण, शब्दकोश, पत्रकारिता, तकनिकी सेवा, हिंदी संसार, पूजा-अर्चना, हिंदी सीखें आदि संपर्क सूत्र उपलब्ध है।

(c) www.indianlanguages.com

इस साइट पर हिंदी सहित सभी प्रमुख भारतीय भाषाओं के लिए साहित्य, समाचार-पत्र, ई- मेल, सर्च इंजन आदि महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध है।

(d) www.tdil.mit.gov.in

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने भारतीय भाषाओं के लिए प्रौद्योगिकी विकास (Technology Devalopment For Indian Languages) नामक इस साइट पर राजभाषा हिंदी विकास संबंधित तकनीकी जानकारी, साफ्टवेयर अनुसंधानरत संघटनों की जानकारी, भारत सरकार की योजना-भाषा-२०१० आदि उपलब्ध है। इस साइट की इलेक्ट्रॉनिक पत्रिका 'विश्व भारत' अत्यंत उपयोगी है।

(e) www.cdacindia.com

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने भारतीय भाषाओं के लिए इस साइट पर सॉफ्टवेयर, तकनीकी विकास संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की है। हिंदी, मराठी, संस्कृत और कोकणी भाषाओं के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

(f) www.dictionary.com

इस साइट पर विश्व की प्रमुख भाषाओं के शब्दकोश, अनुवाद, समानार्थी शब्दकोश, वैब डिरेक्टरी, वायरलेस मोबाइल शब्दकोश तथा व्याकरण संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध है।

(g) www.rosettastone.co

इस साइट पर हिंदी सहित विश्व की सभी भाषाओं को सीखने के लिए इलेक्ट्रानिक सुविधाएँ उपलब्ध है। विश्व की ८० भाषाओं का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने हेतु पर्यटकों के लिए Gold Partner V६ नामक उपलब्ध है।

(h) www.wordanywhere.com

इस साइट पर किसी भी अंग्रेज़ी शब्द का हिंदी समानार्थी शब्द तथा किसी हिंदी शब्द का अंग्रेज़ी समानार्थी शब्द प्राप्त किया जा सकता है।

(i) www.bharatdarshan.co.nz

न्यूजीलैंड में बसे मूल भारतीय लोगों ने इस साइट पर हिंदी साहित्य, कविताएँ, लघुकथाएँ, व्याकरण आदि सामग्री प्रस्तुत की है।

(j) www.boloji.org

पारिवारिक रंगारंग पत्रिका जिसमें हिंदी साहित्य, कला, संस्कृति आदि संबंधित संकलन उपलब्ध है।

(k) www.unl.ias.unu.edu

टोकिया विश्वविद्यालय द्वारा विकसित इस साइट पर हिंदी सहित विश्व की १५ भाषाओं के विकास के लिए अनुसंधान कार्य जारी है। इस योजना का नाम Universal Net Working Languages रखा है, जिसमें सभी शब्दकोश तथा अनुवाद कार्य के सहारे विश्व शांति एवं एकता स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है।

(l) www.hindinet.com

इस साइट पर हिंदी भाषा संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी, संपर्क सूत्र उपलब्ध है। यह हिंदी पाठकों, भाषाशास्त्री तथा छात्रों के लिए एक अत्यंत उपयुक्त साईट है।

(m) www.microsoft.com/india/hindi२०००

विश्व प्रसिद्ध माइक्रोसॉफ्ट कंपनी ने हिंदी भाषा के लिए एम एस ऑफ़िस २००० पॅकेज विकसित किया है। माइक्रोसॉफ्ट के अन्य उत्पादों में हिंदी को शामिल किया गया है।

(n) www.cstt.nic.in

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, भारत सरकार द्वारा विकसित इस साइट पर प्रशासनिक शब्दकोश सहित अनेक विषयों के तकनीकी शब्दकोश प्रस्तुत किए गए हैं। हिंदी, अंग्रेज़ी के लिए उपलब्धि शब्द-कोश कार्यालयों के लिए काफ़ी उपयोगी हैं।

(o) www.ciil.org

केंद्रिय भारतीय भाषा संस्थान, भारत सरकार ने सभी भारतीय भाषाओं के विकास के लिए इस साइट का निर्माण किया है। सभी भारतीय भाषाओं में पारस्पारिक आदान-प्रदान के लिए यह संस्थान विशेष कार्य कर रहा है।

(p) www.gadnet.com

इस साइट पर हिंदी भाषा का इतिहास, हिंदी की कविताएँ, गीत आदि साहित्य उपलब्ध है।

(q) www.nidatrans.com

इस साइट पर हिंदी, अंग्रेज़ी, तमिल, तेलुगु भाषाओं के लिए अनुवाद, डीटीपी आदि सेवा उपलब्ध

(r) www.shamema.com

इस साइट पर हिंदी, अंग्रेज़ी, उर्दू, पख्तु, पाश्तो भाषाओं के लिए समानार्थी शब्द प्राप्त किया जा सकते हैं।

(s) www.hindibhasha.com

इस साइट पर हिंदी भाषा के लिए उपयुक्त जानकारी उपलब्ध है।

हिन्दी कम्प्यूटर के मुख्य क्षेत्र -

- भाषा सम्पादित - हिन्दी (देवनागरी) में कम्प्यूटर पर लिखने का औजार
- हिन्दी वर्तनी जांचक
- फॉण्ट परिवर्तक
- लिपि परिवर्तक- देवनागरी को/से अन्य लिपियों में परिवर्तन
- अनुवादक - हिन्दी से अन्य भाषाओं में अनुवाद
- हिन्दी टेक्स्ट को वाक में बदलने का साफ्टवेयर (हिन्दी टीटीएम्)
- हिन्दी में बोली गयी बात को हिन्दी पाठ में बदलने वाला साफ्टवेयर (वाक से पाठ)
- देवनागरी का ओसीआर किसी छवि में देवनागरी में लिखित सामग्री को कम्पूटर से पढ़ने योग्य टेक्स्ट में बदलना
- हिन्दी के विविध प्रकार के शब्दकोश
- हिन्दी के विश्वकोश
- हिन्दी की ई-पुस्तकें
- हिन्दी में खोज
- हिन्दी में ई-मेल
- उपयोगी साफ्टवेयरों का स्थानीकरण (localization)

अन्य -

- देवनागरी का टाइप सेटिंग तथा फाण्ट डिजाइन देवनागरी का कैरेक्टर-इनकोडिंग एवं संघनन (compression)
- हिन्दी की फोनोलोजी एवं मार्फोलोजी (Phonology and morphology)
- मशीनी अनुवाद एवं बहुभाषी प्रसंस्करण
- टेक्स्ट का विश्लेषण, उसे समझना, सारांश निकालना एवं टेस्ट उत्पादन
- मशीन द्वारा हिन्दी सीखना (Machine learning for Hindi)
- वाक की पहचान एवं संध्धेषण (Speech recognition and synthesis)
- कम्प्यूटर की सहायता से हिन्दी सीखना एवं सिखाना
- जैवचिकित्सकीय (biomedical), रासायनिक या विधिक (legal) क्षेत्रों में प्रयुक्त हिन्दी
- पाठ का प्रसंस्करण

- हिन्दी कम्प्यूटर के लिये विशेष प्रकार का हार्डवेयर एवं साफ्टवेयर का विकास
- हिन्दी के क्रासवर्ड
- हिन्दी के व्युत्क्रम शब्दकोश (reverse dictionaries)

कम्प्यूटर की समस्याएं एवं समाधान -

आधुनिक सभ्यता ने समाज को अनेक सुविधाओं और सेवाओं का वरदान दिया है जिनसे मानव समाज के कार्य करने की गति को तीव्रता और तीक्ष्णता मिली है। ऐसा ही एक वरदान है कम्प्यूटर, जो सीमित कार्यों की सीमा रेखा को पार करता हुआ आज हर मानव की जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बन गया है। लेकिन कभी-कभी इस हिस्से में तकनीकी खराबी आ जाने के कारण ऐसा लगता है जैसे जिंदगी की रफ्तार थम सी जाती है। ऐसे में अगर इस थमी रफ्तार को गति देनी है तो हमें कम्प्यूटर में आने वाली सामान्य समस्याओं का हल स्वयं ही करना होगा। कम्प्यूटर से जुड़ी कुछ सामान्य समस्याएँ और उनका समाधान इस प्रकार हैं-

१. कम्प्यूटर से झटका लगना -

यदि हम कम्प्यूटर को चलाने के लिए दो पिन वाली पावर केबल का प्रयोग करते हैं तो इससे बिजली का सही प्रवाह नहीं होता है। ऐसी स्थिति में जब कम्प्यूटर को शुरू करने की कोशिश करी जाये तो झटका लगने की संभावना होती है। इसलिए हमेशा तीन पिन वाली पावर केबल का ही इस्तेमाल करें। लेकिन अगर इसके बाद भी हमे कम्प्यूटर पर काम करते समय झटका लग रहा है तो इसका अर्थ है कि हमारा बिजली का बोर्ड खराब है।

२. स्क्रीन का रंग बदलना -

कभी-कभी ऐसा होता है की कम्प्यूटर पर काम करते समय उसके स्क्रीन का रंग अपने आप ही लाल, नीला या हरा हो जाता है। इस समस्या का मुख्य कारण या तो वीडीए यानि वीडियो ग्राफिक ऐरे का पिन टेड़ा हो गया हो या फिर जो केबल कम्प्यूटर में लगी है वो कहीं से कट गया है। इस समस्या को हल करने के लिए सबसे पहले कम्प्यूटर के केबल को दोनों ओर से टाइट कस दें। यानि वह साइड जो सीपीयू में लगी हो और वह साइड जो स्क्रीन में लगी हो उसे कस दें। इससे अगर केवल कहीं से ढीली हो गयी होगी तो वो दूर हो जाएगी और स्क्रीन का रंग बदलना बंद हो जाएगा। लेकिन अगर फिर भी यह समस्या आ रही है तो विजिए केबल यानि वह तार जो स्क्रीन की ओर है, उसका पिन टेड़ा हो गया होगा। यदि ऐसा है तो हमें तुरंत यह तार बदलनी होगी।

३. कम्प्यूटर का ठीक से शुरू न होना -

यदि हमारा कम्प्यूटर ठीक से शुरू यानि स्टार्ट नहीं हो रहा है तो उसके अनेक कारण होते हैं। फिर भी शुरुआत उसकी उस तार से शुरुआत करें जिससे वो बिजली के बोर्ड से जुड़ा हुआ है। अगर उस तार से बिजली ठीक से आगे पास नहीं हो रही है तो भी हमारा कंप्यूटर शुरू नहीं होगा। यदि हमे यह पता लग जाए तो उस तार को बदल दें। कई बार हार्डवेयर में कोई खराबी होने के कारण भी कम्प्यूटर स्टार्ट नहीं होता है। अगर खुलते-खुलते कम्प्यूटर बंद हो जाता है इसका अर्थ है की इसकी मेमोरी भाग में कोई खराबी है जिसे चेक किया जाना चाहिए।

४. लगाता बीप का आना-

यदि कम्प्यूटर में से थोड़े-थोड़े समय के बाद बीप आ रही है तो इसका मतलब है की हमारे कम्प्यूटर के रैम में कार्बन या धूल आ गयी है जिसे साफ करके इस समस्या को दूर किया जा सकता है।

५. अपने आप रीस्टार्ट होना -

अगर कम्प्यूटर बार-बार रिस्टार्ट हो रहा है तो इसका अर्थ है की कम्प्यूटर को पावर सप्लाई करने वाला कैपिसीटर अत्यधिक गरम हो गया है इसलिए इसे पूरी वोल्टेज नहीं मिल रही है और पावर बार-बार कम्प्यूटर में आना और जाना कर रही है। इसके लिए कैपिसीटर को बदलना होगा।

६. डिस्प्ले का न आना -

कम्प्यूटर के शुरू होने पर भी कभी-कभी डिस्प्ले नहीं आता है। ऐसी स्थिति में कम्प्यूटर का पंखा तो चल जाता है लेकिन उसका डिस्प्ले नहीं आता है। ऐसे में समाधान के रूप में कम्प्यूटर से रैम निकाल कर उसे इरेज़ करके दोबारा लगा कर देखें। अधिकतर स्थितियों में समस्या का हल हो जाता है। लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो समझिए हमारे कम्प्यूटर के मदरबोर्ड में समस्या है जिसके लिए हमे एक्सपर्ट की जरूरत होगी।

७. स्पीड अच्छी नहीं है-

यह एक आम समस्या है जिससे अधिकतर उपभोक्ता परेशान रहते हैं। इसके विभिन्न कारण और निदान इस प्रकार है-

(क) अपने कम्प्यूटर को वायरस के बार से हमेशा बचा कर रखें क्योंकि अकसर कंप्यूटर की स्पीड कम होने का कारण किसी न किसी वायरस का आना होता है। इसलिए एक अच्छा एंटी वायरस इन्स्टाल करें।

(ख) कम्प्यूटर पर काम करते समय कुछ फाइल्स अपने आप बन जातीं हैं। इन्हें अगर समय से न समाप्त किया जाये तो इससे कंप्यूटर की स्पीड कम हो जाती है

(ग) रिसाइकल बिन को थोड़े-थोड़े समय पर साफ करते रहना चाहिए, नहीं तो इसमें जमी फाइल्स स्पीड कम कर देतीं हैं।

(घ) कम्प्यूटर में वो एप्लिकेशन और प्रोग्राम जिनका हमारे काम से कोई सम्बन्ध नहीं है उन्हें कम्प्यूटर से समाप्त कर दें।

(ङ) हमेशा डिस्क को रिफ्रेगमेंट करें जिससे खाली स्पेस को अच्छी तरह से इस्तेमाल किया जा सके।

निष्कर्ष

इस प्रकार हम पाते हैं कि आज का युग कंप्यूटर का युग है। कंप्यूटर के बिना वर्तमान जीवन और जीवन शैली के बारे सोचना नीरसता है। हमारा हर काम कंप्यूटर ने सरल और अल्पकालिक बना दिया है। आज इसी कारण कंप्यूटर के बिना जीवन की कल्पना असंभव है। और जब बात की जाए हमारे देश और हमारी भाषा की, तो हम पाते है कि कंप्यूटर में हमारी भाषा वैज्ञानिक भाषा होने के कारण पुरे संसार द्वारा प्रयोग की जाती है। कंप्यूटर के कारण आज हिंदी में लिखना, प्रेषित करना, प्रिंट करना, आदि बहुत सरल हो गया है। पूरा कंप्यूटर सिस्टम हिंदी में ऑपरेट होता है। शिक्षा भी कंप्यूटर से बहुत सरल हो गयी। हमारे वैज्ञानिको और सरकारी विभागों, आदि के द्वारा डिज़ाइन किये गए पैटर्न, सॉफ्टवेयर, मोबाइल एप्लीकेशन से आम आदमी की कंप्यूटर तक पहुँच बहुत सुलभ हो गयी है। इस प्रकार निष्कर्तः हम कह सकते है कि हिंदी का प्रचार प्रसार में कंप्यूटर का बहुत बड़ा योगदान है और कंप्यूटर की आम आदमी तक पहुँच के लिए हिंदी भाषा का बड़ा योगदान है।

सन्दर्भ

१. https://hiwikipedia.org/wiki/हिन्दी_कम्प्यूटरी

२. https://hiwikipedia.org/wiki/हिन्दी_कम्प्यूटरी

३. https://hiwikipedia.org/wiki/कम्प्यूटर_और_हिन्दी

४. http://www.abhivyaktihindi.org/vigyan_varta/pradygiki/2003/bhartiya.htm

५. http://hindi.webdunia.com/hindi-essay/हिन्दीनिबंध-कम्प्यूटर-आज-की-जरूरत-1130718000941.htm

६. https://www.openaukri.com/कंप्यूटर- समस्याएँ-समाधान/

७. https://navbharattimes.indiatimes.com/tech/tips-tricks/articleshow/7163658

[1]